उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) | **2015-2016**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : यू.जी.एस.टी

Subject : Sanskrit | **Subject Code : UGST -01**

कोर्स शीर्षक : अभिज्ञान शाकुन्तलम् एवं नीतिशतकम् | अधिकतम अंक – 30

Maximum Marks -30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

1– अद्योलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद करें। 6

(क) ग्रीवाभङ्गाभिराम मुहुसुपतति स्यन्दे दत्तदृष्टिः,
पश्चार्द्धेन प्रविष्टः शरपतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम ।।
दर्भैरर्धावलीदै : श्रम विवृतमुख भ्रंशिभि : कीर्णवर्त्मा,
पश्योदग्रप्लुतत्वा द्वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्यां प्रयाति।।

(ख) यास्पत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कुण्ठया,
कण्ठः स्तम्भित वाष्पवृतिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणः कधं नु तनया विद्लेषदुःखैर्नवै ।।

2. अद्योलिखित श्लोगों की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिये।

(क) इदं किलाव्याज मनोहरं वपु 6
स्तपःक्षमं साधयितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नीलोत्पलपत्र धारया
शमीलतां छेत्तुमृषिर्व्यवस्यति।।

(ख) चित्रे निवेश्य परिकल्पित सत्वयोगा
रूपोच्चयेन मनसा विधिनाकृतानु।
स्त्रीरत्नसृष्टिरपरा प्रतिमण्ति सा मे
द्यातुर्विमुत्वमनुचिन्त्य वपुश्च तस्याः।।

3. शकुन्तला का चरित्र चित्रण कीजिये–
अभिज्ञान शाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का महत्व प्रतिपादित कीजिये– 6

खण्ड–ब **अधिकतम अंक – 12**

4. नीतिशतकम् में वर्णित 'सत्संगति ' से सम्बन्धित कोई श्लोक भावार्थ सहित लिखिये। **2**

5. 'सर्वे गुणाः काच्चन माश्रयन्ति' की हिन्दी में व्याख्यान कीजिये। **2**

6. भतृहरि की कृतियों पर संक्षिप्त प्रकाश डालिये। **2**

7. शक्यो वारयितुं जलेन हुतमुक्छत्रेण सूर्यातपो **2**
नागेन्द्रो निशिताड्.कुशेन समदो दण्डेन गौर्गदभः।
व्याधिर्मेषज संग्रहैश्च विविद्यैर्मन्त्रै : प्रयोगैर्विषं
सर्वस्यौषद्यामस्ति शास्त्र विहितं मूर्खस्यनास्त्यौषधम्।।

इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

8. नीति शतकम् में वर्णित ' विद्या ' के महत्व पर प्रकाश डालिये। **2**

9. कालिदास की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। **2**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2015-2016**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत **विषय कोड : यू.जी.एस.टी–02**

Subject : Sanskrit **Subject Code : UGST -02**

कोर्स शीर्षक : उत्तर रामचरित तथ छन्दोलङ.कार **अधिकतम अंक – 30**

Maximum Marks -30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

प्रश्न 1. निम्नलिखित श्लोकों का सप्रसंग हिन्दी में अनुवाद कीजिय। **6**

(क) एतानि तानि गिरिनिर्भारिणी तटेषु,
वैखानसाश्रिततरूणि तपोवनानि।
येष्वातिथेयपरमा यमिनो भजन्ते,
नोवारमुष्टि पचना गृहिणो गृहाणि।।

(ख) कण्डूलद्विपगण्डपिण्डकषणा कम्पेन संपातिभिः।
धर्म संसृित बन्धनैश्च कुसुमैरर्चन्ति गोदावरीम्।।
छायापस्किरमाण विष्किर मुख व्याकृष्ट कीटत्वच :।
कूजत्क्लान्त कपोत कुक्कुटकुला कुले कुलायद्रुमाः ।।

प्रश्न 2. अधोलिखित श्लोक की संस्कृत व्याख्या सप्रसंग कीजिये। **6**

(ग) त्वं जीवितं त्वमसि में हृदयंद्वितीयम्।
त्वं कौमुदी नयनयोरमृतम् त्वमङेग।।
इत्यादिभि। प्रिय शतैरनुरूध्य मुग्धां।
तामेव शन्तंमथवा किमत : परेण ।।

प्रश्न 3. निम्नलिखित सूक्तियों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये। **6**

(क) करूणस्य मूर्तिरथवा शरीरिणी,
विरहण्यथेव वनमेति जानकी।

(ख) कियच्चिरं वा मेघान्तरेण पूर्ण चन्द्रदर्शनम्।

खण्ड ब

प्रश्न 1. संस्कृत नाटकों की उत्पत्ति के विविध सिद्धान्तों को संक्षेप में लिखिये– 2

प्रश्न 2. महाकवि भवभूति की लेखन शैली पर संक्षेप में प्रकाश डालिये– 2

प्रश्न 3. महाकवि कालिदास एवं भवभूति की कतिपय समानताओं तथा विभिन्नताओं का संक्षेप में उल्लेख करें– 2

प्रश्न 4. अनुप्रास तथा श्लेष अलंकार की लक्षण तथा उदाहरण के साथ संक्षिप्त प्रस्तुति करे। 2

प्रश्न 5. शार्दूल विक्रीडित छन्द को लक्षण तथा उदाहरण के साथ लिखें– 2

प्रश्न 6. उत्तरराम चरित के द्वितीय अंक की कथा का सारांश संक्षेप में प्रस्तुत करें। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2015-2016**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत **विषय कोड : यू.जी.एस.टी– 03**

Subject : Sanskrit **Subject Code : UGST -03**

कोर्स शीर्षक : बाणभट्कृत कादम्बरी **अधिकतम अंक – 30**

कथामुख तथा संस्कृत व्याकरण **Maximum Marks -30**

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

1– अद्योलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद करें। **6**

प्रश्न 1. अद्योलिखित गद्यखण्ड का संदर्भ प्रसंग सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिये साथ ही टिप्पणी भी लिखिए–

स तस्याच्च विजिताशेष– भुवनमण्डलतया विगतराज्य चिन्ताभारतनिर्वृतः , द्वीपान्तरागतानेक–भूमिपाल मौलिमाला लालित–चरणयुगलः , वलयमिव लीलया भुजेन भुवनभारतमुद्वहन् अमरगुरू मपि प्रज्ञयोपहस द्भिरनेककुलक्रमागतैरस कृदालेचित–नीतिशास्त्र–निर्मलमनोभिर लुब्धैः स्निग्धैः प्रबुद्धैश्चामात्यैः परिवृतः , समानवचोविद्यालङ.ाकरैरनेकमूर्द्धा भिषिक्त– पार्थिवकुलोद्गतैर – खिल–कलाकलापालोचन– कठोरमतिभिरतिप्रगल्भै। कालविद्भिः प्रेमानुरक्त–हृदयैरग्राम्यपरिहास कुशलैरिडि.गता कारवेदिभिः काव्य –नाटकाख्यान काख्यायिकालेख्य व्याख्या–नादिक्रियानिपुणै– रतिकठिन–पीवर–गज–घटा–पीठबन्धैः केशरिकिशोर कैरिव, विक्रमैकरसैरपि विनयव्यवहारि भिरात्मन : वयसि सुखमतिचिरमुवास।

अथवा

दृष्टवा च तां समुपजात– विस्मयस्याभून्म–नसि महीपते– अहो! विद्यातुरस्थान रूप –निष्पादन– प्रयत्नः। तथाहि, यदि नामेय– मात्म–रूपोपहसिताशेष– रूप–सम्पदुत्पादिता, किमर्थमपगत– स्पर्श– सम्भोग– सुखे कृतं कुले जन्म। मन्ये च मातड.ग –जाति–स्पर्श–दोष– भयादस्पृशतेय मुत्पादिता प्रजापतिना , अन्यथा–स्पर्श–क्लोशितानामवयवानामीदृशी भवति – कारिणम्। अतिमनोहरा कृतिरपि क्रूरजातितया येनेयमसुरश्रीरिव सतत– निन्दित–सुरता रमणीयाडप्युद्वेजयति इति।

प्रश्न 2. निम्नलिखित सूक्तियों की ससन्दर्भ हिन्दी में व्याख्या कीजिएः– **6**

(क) नास्ति जीवितादन्यदभिमततरमिह जगति सर्वजन्तूनाम्।

(ख) अतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्।

प्रश्न 3. महाकवि बाणभट्ट का काल निर्धारण करते हुए उनकी रचनाओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। **6**

अथवा

चन्द्रापीड का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' –इस उक्ति की व्याख्या कीजिए।

खण्ड 'ब' अधिकतम अंक : 12

प्रश्न 4. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :– 2

(क) अपवर्गे तृतीय (ख) साधकतमं करणम्

(ग) येनाङ.गविकारः (घ) रुच्चर्थानां प्रीयमाणः

प्रश्न 5. निम्नलिखित रेखांकित पदों में से किन्हीं दो का सूत्रोल्लेख पूर्वक विभक्ति बताइए– 2

(क) हरिं भजति (ख) गां दोग्धि पयः

(ग) विप्राय गां ददाति (घ) चौराद् विभेति

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से चार की विभक्ति बताइए– 2

(क) चर्मणि द्वीपिनं हन्ति

(ख) जटाभिः तापसः

(ग) अधोऽधो लोकं पातालः

(घ) बलिं याचते वसुधाम्

(च) पुष्पेभ्य : स्पृध्यति

(छ) मातुः स्मरति

प्रश्न 7. निम्नलिखित सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए – 2

(क) येनाङ.गविकारः

(ख) कालाध्वनोरत्यन्त संयोगे

प्रश्न 8. सही विकल्प को चुनिए– 2

वैशम्पायन के पूर्व जन्म का नाम था–

(क) चन्द्रापीड (ख) शूद्रक

(ग) पुण्डरीक (घ) जाबालि

प्रश्न 9. सही विकल्प चुनें– 2

चाण्डाल कन्या किसके दरबार में शुक लेकट गई–

(क) तारापीड (ख) चन्द्रापीड

(ग) वैशम्पायन (घ) शूद्रक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2015-2016**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : वैदिक मन्त्र, कठोपनिषद् तथा अनुवाद

विषय कोड : यू.जी.एस.टी– 04
Subject Code : UGST -04
अधिकतम अंक – 30
Maximum Marks -30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

1. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं दो मन्त्रों का व्याकरणात्मक टिप्पणी सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

(क) आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु श्वितो
डदब्धासो अपरीतास उद्भिदः।
छेवा नो यथा सदमिद् वृधे अस–
नन्प्रायुवो रक्षितारो दिखे दिवे।।

(ख) यस्याश्वासः प्रदिशि यस्य गावो
यस्य ग्रामा यस्य विश्वे रथासः।
यः सूर्य य उबसं जजान
यो अपां नेता स जनास इन्द्रः।।

(ग) य आत्मदा बलदा यस्य विश्व
डपसते प्रशिषं यस्य देवाः।
यस्यच्छायामृतं यस्य मृत्युः
कस्मै देबाय हविषा विधेम।।

(घ) येनेदं भूतं भुवनं भविष्य–
त्परिगृहीतममृतेन सर्वम्।
येन यज्ञस्तायते सप्रहोता
तन्मे मनः शिवसड.कल्पमस्तु।।

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

(क) बहूनामेमि प्रथमो बहूनामेमि मध्यम : ।
किं स्विद् यमस्य कर्त्तवयं यन्मयाद्य करिष्यति।।

(ख) येयं प्रेते विचिकित्सा मनुष्येड
स्तीत्येके नायमस्तीति चैके।
एताद्विद्यामनुशिष्टस्तवयांह
व्राणमेष वरस्तृतीयः ।।

(ग) श्रवणायापि बहुमिर्यो न लम्यः ,
श्रृण्वन्तोडपि बहवो यंन विद्युः
आश्चर्योडस्य बहवो यं न विद्युः।
आश्चर्योडस्य वक्ता कुशलोडस्य लब्धा– श्चर्यो ज्ञाता कुशलानुशिष्टः।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) षड्वेदाड.गो के महत्व की समीक्षा कीजिए।

(ख) विष्णु सूक्त का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय की प्रथम वली का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड 'ब' **अधिकतम अंक : 12**

4. ऋग्वेद का सामान्य परिचय दीजिए। 2

5. ब्राहमणग्रन्थों की उपयोगिता बताते हुए इनकी संख्या पर प्रकाश डालिए। 2

6. प्रातिशाख्यों की उपयोगिता बताते हुए इनकी संख्या पर प्रकाश डालिए। 2

7. उपनिषदों के महत्व का विवेचन कीजिए । 2

8. वैदिक भाषा की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2

9. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 2

(क) राजर्षि पुरूषोत्तमदास टण्डन हिन्दी भाषा के पुराधा थे।

(ख) संस्कृत भाषा विश्व की प्राचीनतम भाषा है।

(ग) विश्वप्रसिद्ध कुम्भमेला प्रयाग में लगता है।

(घ) विद्या से नम्रता आती है।

(ड.) हितकर और मनोहर वचन दुर्लभ होता है।

(च) महाकवि कालिदास कवियों में श्रेष्ठ हैं।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2015-2016**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत **विषय कोड : यू.जी.एस.टी–05**

Subject : Sanskrit **Subject Code : UGST -05**

कोर्स शीर्षक : संस्कृत साहित्य का इतिहास **अधिकतम अंक – 30**

Maximum Marks -30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

प्रश्न 1. रामायण के महत्व को एवं उसके काव्य–सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। 6

प्रश्न 2. महाकाव्य के लक्षणों पर प्रकाश डालिए। 6

प्रश्न 3. महाकवि बाण के काव्य–शैली का वर्णन कीजिए। 6

खण्ड 'ब' **अधिकतम अंक : 12**

Maximum Marks -12

प्रश्न 4. 'उपमा कालिदासस्य' – की समीक्षा कीजिए। 2

प्रश्न 5. 'हितोपदेश' की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2

प्रश्न 6. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' – कथन की समीक्षा कीजिए। 2

प्रश्न 7. चम्पूकाव्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए दो चम्पू काव्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 2

प्रश्न 8. महाकवि भवभूति की रचनाओं पर संक्षेप प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न 9. 'किरातार्जुनीय' महाकाव्य के काव्य–सौष्ठव का वर्णन कीजिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2015-2016**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत **विषय कोड : यू.जी.एस.टी–06**

Subject : Sanskrit **Subject Code : UGST -06**

कोर्स शीर्षक : निबन्ध एवं व्याकरण **अधिकतम अंक – 30**

Maximum Marks -30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

प्रश्न 1. वसन्तर्तुः 6

प्रश्न 2. भगवान् बुद्धः 6

प्रश्न 3. भारतीया संस्कृतिः 6

खण्ड– 'ब' **अधिकतम अंक : 12**

Maximum Marks -12

प्रश्न 4. इत् संज्ञा का संस्कृत में लक्षण एवं उदाहरण लिखें। 2

प्रश्न 5. उदान्त –अनुदान्त –स्वरित संज्ञाओं का भेद स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न 6. गुण सन्धि का संस्कृत में लक्षण उदाहरण सहित स्पष्ट करें। 2

प्रश्न 7. ' मोड.नुस्वारः ' सन्धि को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न 8. 'विसर्जनीयस्य सः ' सूत्र को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न 9. ' अजाद्यतष्टाप् ' सूत्र को उदाहरण सहित लिखिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2015-2016**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत **विषय कोड : यू.जी.एस.टी–07**

Subject : Sanskrit **Subject Code : UGST -07**

कोर्स शीर्षक : ईशावास्योपनिषद एवं श्रीमद्भगवद्गीता **अधिकतम अंक – 30**

Maximum Marks -30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

प्रश्न 1. निम्नांकित किन्ही दो मंत्रो की व्याकरणात्मक टिप्पणी सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए :– 6

(क) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छत समाः।
एवं त्वाय नान्यथेतोडस्ति न कर्म लिप्यते नरे।।

(ख) अन्धं तमः प्रविशन्ति येडविद्यामुपासते ।
ततो भूय इ वते तयो य उ विद्याया साः ।।

(ग) अन्यदेवाहुः सम्भवादन्यदाहु रसम्भवान् ।
इति शुश्रुम धीराणां में नस्तद्विचचक्षिरे।।

प्रश्न 2. निम्नांकित किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ हिन्दी व्याख्या कीजिए– 6

(क) देहिनोडस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा।
तथा देहान्तरप्राप्ति र्धीरस्तत्र न युह्मति।।

(ख) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सत :।
उभयोरपि दृष्टिोडन्तस्त्वनयोस्तत्वदर्शिमिः ।।

(ग) हतो वा प्राप्स्यसि सवर्गं जित्वा वा मोक्ष्यसे महीम।
तत्मादुतिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चय : ।।

प्रश्न 3. निम्नांकित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 6

(क) ईशावास्यापनिषद् में वर्णित आत्मतत्व के स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

(ख) ईशावास्यापनिषद् के अनुसार ईश्वर की सर्वण्यापकता का निरुपण कीजिए।

(ग) श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर शाश्वत सत् आत्मा की सार्थकता को सिद्ध कीजिए।

खण्ड – 'ब' अधिकतम अंक 12

Maximum Marks -12

प्रश्न 4. ''विद्ययामृतमश्नुते'' का आशय सुस्पष्ट कीजिये। 2

प्रश्न 5. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार उपासक की प्रार्थना पर प्रकाश डालिये। 2

प्रश्न 6. निम्नलिखित उपनिषदों में से किन्हीं दो उपनिषदों का संक्षिप्त परिचय दीजिये। 2

(क) केनोपनिषद् (ख) मुण्डकोपनिषद्

(ग) तैतिरीयोपनिषद् (घ) कठोपनिषद्

प्रश्न 7. श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय का माहात्म्य संक्षेप प्रस्तुत कीजिए। 2

प्रश्न 8. श्रीमद्भगवदगीता के द्वितीय अध्याय के अनुसार बुद्धियोग की कार्यविधि का परिचय दीजिये। 2

प्रश्न 9. '' तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही '' का आशय अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2015-2016**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत **विषय कोड : यू.जी.एस.टी–08**

Subject : Sanskrit **Subject Code : UGST -08**

कोर्स शीर्षक : काव्य एवं काव्यशास्त्र **अधिकतम अंक – 30**

Maximum Marks -30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

प्रश्न 1. साहित्य दर्पण के अनुसार आचार्य विश्वनाथ के काव्यलक्षण की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 6

प्रश्न 2. व्याख्या कीजिए– 6

मुख्यार्भवाधे तद्युक्तो ययान्योडर्थः प्रतीयते।
रूढेः प्रयोजनाद्वाडसौ लक्षणा शक्तिरर्पिता।।

प्रश्न 3. अधोलिखित पद्य की सप्रसड.ग व्याख्या कीजिए। 6

महौजसो मानधना धनार्चिता : ,
धनुर्भृतः संयति लब्धकीर्तियः।
न संहतास्तस्य न भिन्नवृत्तय :
प्रियाणि वाञछन्त्यसुभि : समीहितुम् ।।

खण्ड – 'ब' **अधिकतम अंक 12**

Maximum Marks -12

प्रश्न 4. साहित्य दर्पण के अनुसार अभिधाशक्ति पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न 5. महाकवि भारवि की काव्यकला पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न 6. प्रश्न सं0 3 के श्लोक में 'भारवेरर्थगौरवम्' उक्ति कहॉ तक चरितार्थ हो रही है? व्याख्यान कीजिए। 2

प्रश्न 7. आचार्यमम्मट् के काव्य लक्षण में आये हुए 'अदोषौ' पद का आचार्य विश्वनाथ के अनुसार खण्डन कीजिए। 2

प्रश्न 8. '' चतुर्वर्ग फलप्राप्तिः सुखदल्पधियामपि।
काव्यादेव यतस्तेन तत्स्वरूपं निरुप्यते।। '' इस कारिका की व्याख्या कीजिए। 2

प्रश्न 9. अधोलिखित पद्य का हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए।

स यौवराज्ये नव यौवनोद्धतं
निधाय दुःशासनभिद्धशासनः।
मखेण्वखिन्नोडनुमतः पुरोधसा,
धिनोति हव्येन हिरण्यरेतसम्।।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2015-2016**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत **विषय कोड : यू.जी.एस.टी–09**

Subject : Sanskrit **Subject Code : UGST -09**

कोर्स शीर्षक : भाषा विज्ञान **अधिकतम अंक – 30**

Maximum Marks -30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक	: 18
Maximum Marks:	18

प्रश्न 1. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का संक्षिप्त परिचय लिखिये। 6

प्रश्न 2. विश्व भाषाओं के पारिवारिक वर्गीकरण का स्वरूप निरूपण करते हुए उसके आधार पर प्रकाश डालिये। 6

प्रश्न 3. ध्वनि– परिवर्तन की दिशाओं पर प्रकाश डालिय। 6

खण्ड – 'अ' **अधिकतम अंक 12**

Maximum Marks -12

प्रश्न 4. संस्कृत भाषा की विशेषताओं को बताते हुए वैदिक भाषा की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए। 2

प्रश्न 5. संस्कृत और अवेस्ता भाषा की समानताओं और विषमताओं पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न 6. प्राकृत भाषाओं की सामान्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए। 2

प्रश्न 7. अपभ्रंश से क्या अभिप्राय है? अपभ्रंश की प्रमुख विशेषताओं को लिखिये। 2

प्रश्न 8. भारोपीय परिवार का महत्व बताते हुए विभिन्न नामों का उल्लेख कीजिए। 2

प्रश्न 9. मागधी और अर्धमागधी प्राकृत पर प्रकाश डालिए। 2